Raj Express (Indore), 01st July 2026, Page – 04

फीमेल सुपरन्यूमरेरी सीट्स की व्यवस्था का दिखा सकारात्मक असर

आईआईटी: राउंड-1 में चार वर्षीय बीटेक कम्प्यूटर साइंस की सबसे ज्यादा डिमांड

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

शिक्षा मंत्रालय की 20 प्रतिशत फीमेल सुपरन्यूमरेरी सीट्स की व्यवस्था का सकारात्मक असर दिखने लगा है। देशभर के तमाम आईआईटी की बात करें तो जेईई एडवांस्ड 2026 की सीआरएल रैंक 1223 तक अभ्यर्थियों को बीटेक कम्प्यूटर साइंस में प्रवेश मिला है। पिछले साल यह सीमा सीआरएल 1109 तक थी। यह आंकड़े फीमेल कैंडिडेट्स के लिए उत्साहवर्धक हैं और इससे इंजीनियरिंग के प्रति छात्राओं की रुचि बढ़ेगी। राउंड-1 में 4 वर्षीय बीटेक कम्प्यूटर साइंस ब्रांच सबसे ज्यादा डिमांड में रही। 23 आईआईटी संस्थानों में क्लोजिंग रैंक 13707 रही।

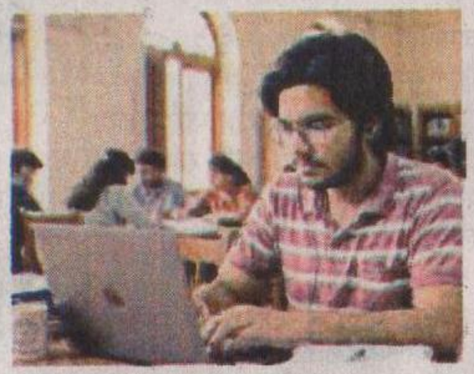

छात्राओं के लिए बढ़े मौके

20 प्रतिशत फीमेल सुपरन्यूमरेरी सीट्स की वजह से इंदौर की छात्राओं में भी इंजीनियरिंग को लेकर रुझान बढ़ा है। पिछले साल आईआईटी इंदौर में फीमेल सुपरन्यूमरेरी कोटे से सीआरएल करीब 3500 तक एडमिशन मिला था। करियर काउंसलर के अनुसार देशभर के संस्थानों में 67 हजार से ज्यादा सीटें और 5 राउंड की काउंसिलिंग से छात्रों को अपनी पसंद का कॉलेज और ब्रांच मिलने के मौके बढ़ गए हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे हर राउंड के बाद कट ऑफ ट्रेंड देखकर ही आगे का फैसला लें।

जानिए.. कहां कितनी सीटें

23 आईआईटी: लगभग 18951 सीटें
32 एनआईटी: लगभग 25,162 सीटें
26 ट्रिपलआईटी: लगभग 11,518 सीटें
जीएफटीआई: लगभग 11,692 सीटें

67 हजार से ज्यादा सीट

जोसा काउंसलिंग 2026 के जरिए देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में 67 हजार से ज्यादा सीटों पर दाखिले होना है। इनमें 23 आईआईटी में 18,951 सीटें, 32 एनआईटी में 25,162 सीटें, 26 ट्रिपलआईटी में 11,518 सीटें और जीएफटीआई में 11,692 सीटें शामिल हैं। सीटों की संख्या पिछले साल के मुकाबले बढ़ी है, जिससे इंदौर के छात्रों के लिए अवसर बढ़े हैं। छात्रों की नजर आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपलआईटी और जीएफटीआई की सीटों पर टिकी है। एक्सपर्ट एसएस रघुवंशी ने बताया इंदौर से लगभग 2 हजार छात्र जेईई एडवांस्ड क्वालिफाई करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में छात्र आईआईटी इंदौर, आईआईटी बॉम्बे, एनआईटी भोपाल और ट्रिपलआईटी ग्वालियर को प्राथमिकता देते हैं।

कई बार लोकेशन और ब्रांच को लेकर आती हैं समस्याः एक्सपर्ट के अनुसार शिक्षा मंत्रालय की 20 प्रतिशत फीमेल सुपरन्यूमरेरी सीट्स की व्यवस्था के चलते लड़कियों के एडमिशन में बढ़ोत्तरी जरुर हुई है, वहीं दूसरी ओर लड़कियों के एडमिशन में सबसे बड़ी समस्या लोकेशन और ब्रांच को लेकर अधिक देखने को मिल रही है। एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में एडमिशन मिलने पर कई बार लड़कियां अपना एडमिशन कैंसल कर देती है।

तीन जुलाई तक चलेगी ऑनलाइन रिपोर्टिंग

30 जून मंगलवार को दूसरे राउंड का सीट अलॉटमेंट रिजल्ट जारी किया गया। इसके बाद 6 जुलाई को तीसरे राउंड, 10 जुलाई को चौथे राउंड और 16 जुलाई को पांचवें राउंड का रिजल्ट आएगा। ऑनलाइन रिपोर्टिंग 3 जुलाई तक चलेगी और सीट विड्रॉल 1 से 3 जुलाई तक कर सकेंगे। जिन विद्यार्थियों को आवंटित सीट पसंद नहीं है, वे 1 से 3 जुलाई तक सीट विड्रॉल कर सकेंगे।